No. of Printed Pages : 4

MES-051

04103

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2014

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 hours | *Maximum Weightage : 70%*

Note : (i) ***All*** *questions are* ***compulsory****.*

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *weightage.*

---

1. Answer the following question in about 600 words :

   What do you mean by the concept of modernisation ? Discuss the role of education in the modernisation process.

   OR

   Briefly illustrate the three types of 'Truth of Knowledge'. Discuss pragmatists position with regard to nature of knowledge and its validity.

2. Answer the following question in about 600 words :

   Do you think that educational ideas of Gandhiji are relevant in current socio-economic scenario ? Justify your answer with suitable examples.

   OR

   Define the term "Decentralisation of Education." Is it necessary to decentralise education system in prevailing global scenario ? Justify your answer.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :

(a) Discuss the linkage between education and culture.

(b) Discuss relationship between education, democracy and social change.

(c) Explain aims of education according to naturalism.

(d) Discuss the role of school in the process of socializing children.

(e) Discuss impact of globalisation on education.

(f) Discuss the concepts of social stratification and social mobility.

4. Answer the following question in about **600** words :

What are the national goals ? Discuss as to how the present education system is capable of achieving these national goals.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

*(ii) सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
आधुनिकीकरण की अवधारणा से आपका क्या अभिप्राय है? आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में शिक्षा की भूमिका की विवेचना कीजिए।

अथवा

'ज्ञान की वैधता' के तीन प्रकारों की उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए। ज्ञान की प्रकृति तथा इसकी वैधता के संदर्भ में प्रयोजनवादी विचारों की विवेचना करें।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
क्या आपके विचार में गाँधी के शैक्षिक विचारों का आज के सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में औचित्य है? अपने उत्तर का औचित्य उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से सिद्ध कीजिए।

अथवा

''शिक्षा के विकेंद्रीकरण'' को परिभाषित कीजिए। वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में क्या शिक्षा को विकेंद्रीकृत करना अनिवार्य है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दें। प्रत्येक का उत्तर लगभग **150** शब्दों में करें :

(a) शिक्षा और संस्कृति के संबंध की विवेचना करें।

(b) शिक्षा, लोकतंत्र तथा सामाजिक परिवर्तन के पारस्परिक संबंधों की व्याख्या करें।

(c) प्रकृतिवाद के अनुसार शिक्षा के उद्देश्यों की विवेचना करें।

(d) बच्चों की सामाजीकरण प्रक्रिया में विद्यालय की भूमिका की विवेचना करें।

(e) शिक्षा पर वैश्वीकरण के प्रभाव की व्याख्या करें।

(f) सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक गतिशीलता की अवधारणाओं की व्याख्या करें।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दें :

राष्ट्रीय लक्ष्य कौनसे हैं? विवेचना करें कि इन राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में वर्तमान शिक्षा प्रणाली किस भांति सक्षम है?